

## अफ्रीका का अफार ट्रायंगल: नए महासागर की उत्पत्तिका संभावित स्थान

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

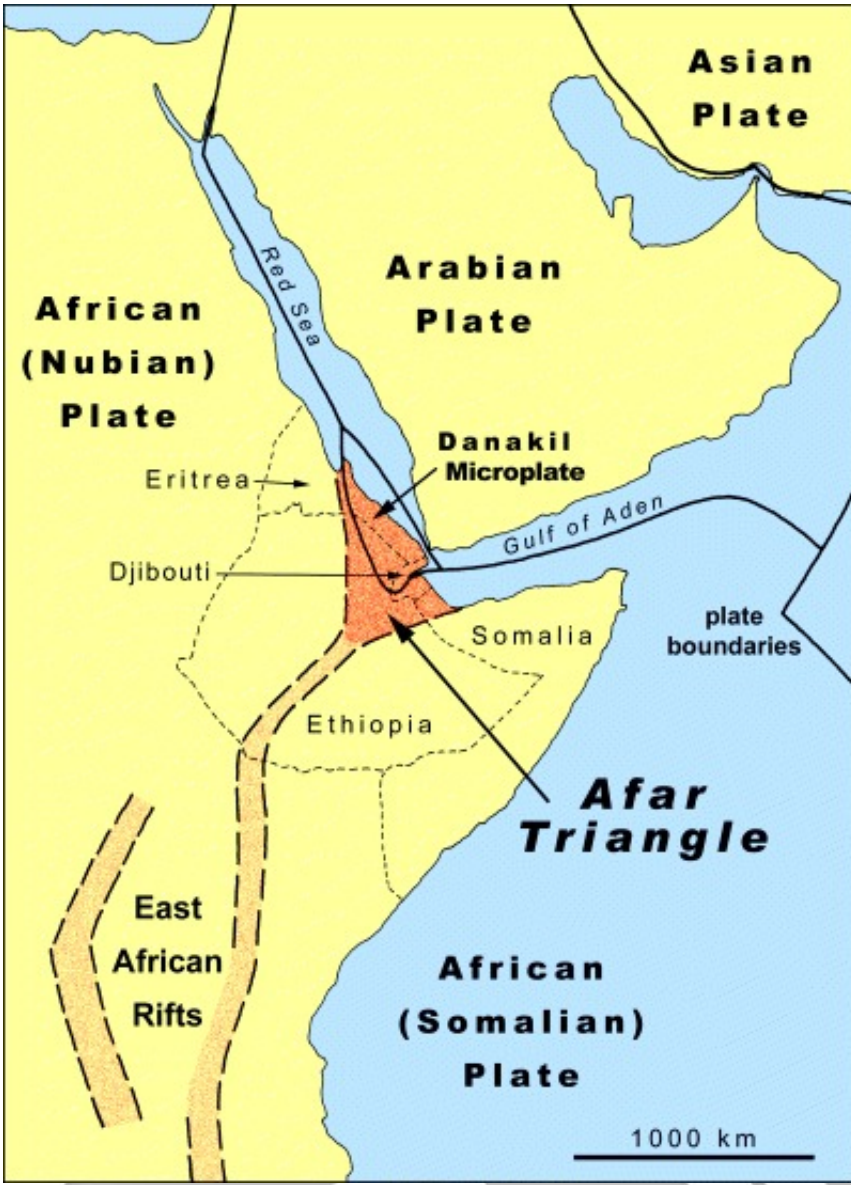
हाल के भूवैज्ञानिक/भौमिकी (Geological) नषिकर्षों के अनुसार [अफ्रीका के अफार ट्रायंगल \(Afar Triangle\)](#) में आगामी 5 से 10 मिलियन वर्षों में एक नए महासागर की उत्पत्ति हो सकती है।

- अफ्रीकी महाद्वीप के समृद्ध और विविध परदृश्यों के बीच होने वाली यह परघटना, पृथ्वी के भूगोल को आकार देने वाली गतिशील प्रक्रियाओं की एक अनूठी झलक दर्शाती है।

## अफ्रीका का अफार ट्रायंगल क्या है?

- [अफ्रीका के हॉर्न](#) में स्थित अफार ट्रायंगल एक भौमिकी नमिन भूभाग है जहाँ तीन [विवर्तनिक \(tectonic\) प्लेटें](#), न्युबयिन, सोमाली और अरेबयिन प्लेटें मिलती हैं।
  - यह [पूर्वी अफ्रीकी रफ्ट प्रणाली](#) का हिस्सा है, जो अफार क्षेत्र से लेकर पूर्वी अफ्रीका तक वसित है।
  - इसके भौमिकी महत्त्व के अतिरिक्त अफार ट्रायंगल का एक समृद्ध [पुराजीवी \(Paleontological\) इतिहास](#) रहा है जिसमें कुछ प्रारंभिक [होमिनिन](#) के जीवाश्म नमूनों की खोज शामिल है।





- टेक्टोनिक संचलन और रफिट वसितार: अफार कषेत्र में कई वर्षों से टेक्टोनिक संचलन की क्रमिक रूप से घटति हो रहा है।
  - वर्ष 2005 में इथियोपिया के रेगसितान में एक बड़ा भ्रंश वसितार देखने को मिला।
    - परिणामस्वरूप यह अफ्रीका महाद्वीप के नरितर वविरतनिक पृथक्करण को प्रदर्शति कर रहा है।
    - भ्रंश के वसितार के लयि उत्तरदायी कारक:
  - माना जाता है कऱ स्थानांतरण प्रक्रयिा को चलाने वाले प्रमुख कारकों में से एक पूर्वी अफ्रीका के नीचे से अत्यधिक गरम चट्टानों का वशाल समूह उठ रहा है।
    - यह प्लम ऊपरी परत पर दबाव डाल सकता है, जसिसे यह खचि सकता है और टूट सकता है।
- इसके अतरिकित कषेत्र में मैग्माटज्मि, वशिष रूप से एरटा एले ज्वालामुखी में, टेक्टोनिक संक्रमण के सुराग प्रदान करता है, जसिमें ऐसी वशिषताएँ होती हैं जो मध्य-महासागर के रजि की नकल करती हैं।
  - मैग्माटज्मि पृथ्वी की सतह के नीचे मैग्मा का नरिमाण एवं गति है। यह पृथ्वी पर वभिन्नि घटनाओं में योगदान देता है, जैसे टेक्टोनिक दरारें भरना, पहाड़ों का नरिमाण करना और साथ ही पृथ्वी के कोर से गरमी को मुक्त करने में सहायता करना।
- महासागर का नरिमाण: इस कषेत्र में चल रहे भ्रंश वसितार से संभावति रूप से एक नए महासागर का नरिमाण हो सकता है, जसिसे अस्थायी रूप से "अलवर-टाइड अटलांटिक रफिट" नाम दिया जाएगा।
  - पानी का यह नया भंडार अफार कषेत्र और पूर्वी अफ्रीकी दरार घाटी में लाल सागर तथा अदन की खाड़ी में आने वाली बाढ़ का परिणाम होगा।

## मुख्य बडि

- टेक्टोनिक/वविरतनिकी मूवमेंट: टेक्टोनिक मूवमेंट, टेक्टोनिक/वविरतनिकी प्लेटों की परस्पर क्रयिा के कारण पृथ्वी के स्थलमंडल की बड़े पैमाने पर होने वाली गति को संदर्भति करता है
  - वविरतनिक हलचलों के कारण बनने वाली सीमाएँ तीन मुख्य प्रकार की होती हैं: अपसारी सीमाएँ, अभसिरण सीमाएँ और परविरतन सीमाएँ।
- रफिटिगि: रफिटिगि उस भूवैज्ञानिक प्रक्रयिा को संदर्भति करता है जहाँ पृथ्वी का स्थलमंडल/लथिोस्फीयर (पृथ्वी की सबसे बाहरी

- परत)** खचिती और पतली होती है, जसिसे दरार घाटयिों या बेसनिों का नरिमाण होता है ।
- यह प्रक्रिया आमतौर पर अपसारी प्लेट सीमाओं पर होती है जहाँ **टेक्टोनिक प्लेटें एक दूसरे से दूर चली जाती हैं** ।
  - जैसे-जैसे प्लेटें अलग होती जाती हैं, तनावग्रस्त ताकतें स्थलमंडल में दरार और टूटने का कारण बनती हैं, जसिसे **भ्रंश क्षेत्र (Rift Zones)** का नरिमाण होता है ।
- **मध्य महासागरीय कटक:** मध्य-महासागरीय कटक एक **अधिक गहरे पानी के नीचे की परवत शृंखला** है जो समुद्री परत में टेक्टोनिक प्लेटों के बीच अलग-अलग सीमाओं के साथ बनती है ।
- इन कटकों की वशिषता ज्वालामुखीय गतविधि और मेंटल से मैग्मा का ऊपर उठना है, जो जम कर एक नई समुद्री परत बनाता है
  - मध्य-महासागरीय कटक **समुद्र तल के वसितार** की प्रमुख वशिषताएँ हैं, जहाँ टेक्टोनिक प्लेटों के अलग होने से लगातार नई परत बनती रहती है ।







# प्लेट विवर्तनिकी

(या स्थल मंडलीय प्लेटें)

1967 में, मैकेंजी, पार्कर और मॉर्गन प्लेट विवर्तनिकी अवधारणा के साथ सामने आए

## प्लेट विवर्तनिकी

ठोस चट्टान के विशाल, अनियमित आकार के स्लैब (क्रस्ट + ऊपरी मेंटल)

## प्रकार

- महाद्वीपीय या महासागरीय (जो भी प्लेट के बड़े हिस्से को अधिग्रहित करता है)
- प्रशांत प्लेट-महासागरीय; यूरेशियन प्लेट-महाद्वीपीय

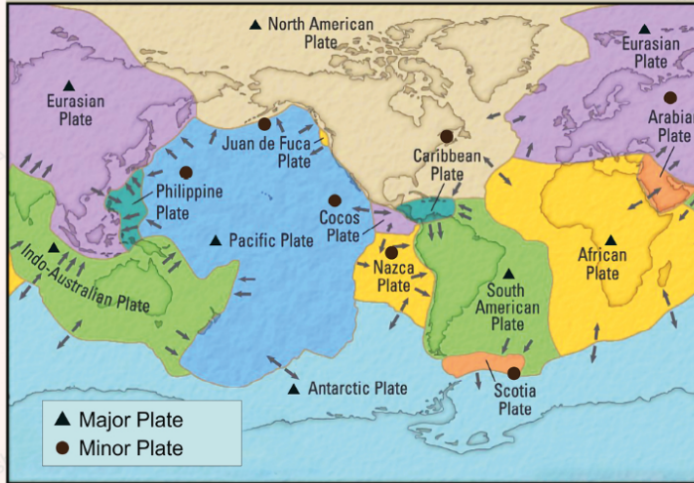
## प्लेटों का संचलन

- दुर्बलतामंडल के ऊपर प्लेटें लगातार क्षैतिज रूप से गति करती हैं
- प्लेटों के टकराने/उनकी गति करने से भूकंप/ज्वालामुखीय विस्फोट होते हैं

## वृहत् और लघु प्लेटें

### भारतीय प्लेट

- शामिल हैं- प्रायद्वीपीय भारत और ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीपीय भाग
- पूर्वी विस्तार- राकिम योमा पर्वत (प्यांमार) से जावा गर्त तक
- पश्चिमी विस्तार-बलूचिस्तान (पाकिस्तान) का मकराना तट
- संचलन की दर-उत्तर-पूर्व दिशा में 54 मिमी/वर्ष
- भारत और अंटार्कटिक प्लेट के बीच सीमा-एक महासागरीय रिज (अपसारी सीमा) द्वारा चिह्नित
- हिमालय का निर्माण-भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों के आपस में टकराने से



दुर्बलतामंडल- स्थलमंडल के ठीक नीचे स्थित पृथ्वी के मेंटल का एक क्षेत्र; यह स्थलमंडल की तुलना में अधिक गर्म और अधिक तरल माना जाता है

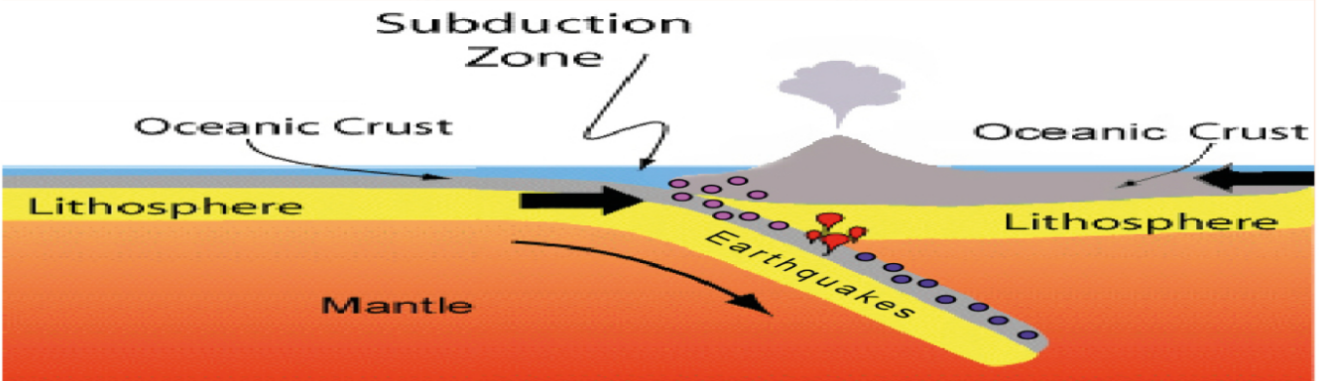
### प्लेट संचलन के प्रकार

- अपसारी संचलन/ रचनात्मक सीमा, जब दो प्लेटें एक-दूसरे की विपरीत दिशा में गमन करती हैं
- अभिसारी संचलन/ विनाशात्मक सीमा, इसमें दो प्लेटें एक-दूसरे की ओर गति करती हैं
- समानांतर प्लेट संचलन/संरक्षी प्लेट सीमा, जब प्लेटें एक-दूसरे के समानांतर गति करती हैं जिससे न तो किसी प्रकार की परपटी का निर्माण होता है न विनाश होता है

### सबडक्शन

यह तब होता है जब टेक्टोनिक प्लेट्स स्थानांतरित होती हैं और एक दूसरे के समान गति करती हैं

महासागरीय प्लेटों का नीचे की ओर जाना → गर्म मेंटल प्लेट से टकराव → ऊष्मा की उत्पत्ति → वाष्पील तत्वों के साथ मिश्रण → मैग्मा की उत्पत्ति → ज्वालामुखीय विस्फोट



????????????

नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2013)

1. वदियुत-चुंबकीय वकिरिण
2. भू-तापीय ऊर्जा
3. गुरुत्वीय बल
4. प्लेट संचलन
5. पृथ्वी का घूर्णन
6. पृथ्वी का परकिरण

उपर्युक्त में से कौन-से पृथ्वी के पृष्ठ पर गतकि परविरतन लाने के लयि ज़मिमेदार हैं?

- (a) केवल 1, 2, 3 और 4
- (b) केवल 1, 3, 5 और 6
- (c) केवल 2, 4, 5 और 6
- (d) 1, 2, 3, 4, 5 और 6

उत्तर: (d)

### मुंबई में पहला ट्राई-सर्विस कॉमन डफिंस स्टेशन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

मुंबई को भारत के पहले ट्राई-सर्विस कॉमन डफिंस स्टेशन में स्थापति करने के लयि [सशस्त्र बल](#) एक महत्त्वपूर्ण पहल शुरू करने की योजना बना रही है, यह थल [सेना](#), [नौसेना](#) और [वायु सेना](#) के बीच सामंजस्य हासलि करने की दशिा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य एकीकृत नेतृत्व ढाँचे के तहत रसद, बुनयिादी ढाँचे, मरम्मत और रखरखाव तथा आपूर्ति सहति तीनों सेवाओं की सभी सुवधिाओं एवं संसाधनों को समेकति करना है।
  - वर्तमान में, मुंबई में तीनों सेनाओं के अलग-अलग वगि हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं।
  - नौसेना, मुंबई में अपनी पर्याप्त उपस्थति के साथ, इस नए एकीकृत सेटअप में मुख्य भूमिका नभिएगी।
- कोयंबटूर के पास स्थति सुलूर और गुवाहाटी को दूसरे तथा तीसरे आम रक्षा स्टेशनों के लयि स्थल के रूप में चुने जाने की उम्मीद है।
- वर्तमान में भारत में कोई सामान्य रक्षा स्टेशन नहीं है। अंडमान और नकिोबार कमांड एक पूर्ण कमांड है जसि वर्ष 2001 में त्रि-सेवा कमांड के रूप में स्थापति कयिा गया था।

और पढ़ें: [रक्षा बलों के बीच एकीकरण](#)

### वैकोम सत्याग्रह के 100 वर्ष

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यो

हाल ही में भारत द्वारा [वैकोम सत्याग्रह](#) की शताब्दी मनाई गई, जो भारत के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन था जसिने [असुप्रशयता एवं जातिउत्पीडन](#) को चुनौती दी थी।

## वैकोम सत्याग्रह क्या है?

### ■ पृष्ठभूमि:

- वैकोम सत्याग्रह, एक अहसिक आंदोलन था जो एक सदी पहले केरल के त्रावणकोर रियासत के वैकोम में 30 मार्च 1924 से 23 नवंबर 1925 तक चला था।
  - यह आंदोलन असंपृश्यता और जातगत भेदभाव की गहरी प्रथाओं के वरिद्ध एक जबरदस्त वरिध के रूप में खड़ा हुआ, जसिने लंबे समय से भारतीय समाज को त्रस्त कर रखा था।
  - यह आंदोलन उत्पीड़ित वर्ग के लोगों, वरिषकर एजावाओं के वैकोम महादेव मंदिर के आस-पास की सड़कों पर चलने पर प्रतबंध के कारण शुरू हुआ था।
- मंदिर के मार्ग खोलने हेतु त्रावणकोर की महारानी रीजेंट के अधिकारियों के साथ बातचीत करने के प्रयास किये गए।
- यह भारत में पहला मंदिर प्रवेश आंदोलन था, जसिने पूरे देश में इसी तरह के आंदोलनों के लिये मंच तैयार किया।
  - इसका उदय राष्ट्रवादी आंदोलन के साथ हुआ और इसका उद्देश्य राजनीतिक आकांक्षाओं के साथ-साथ सामाजिक सुधार में वृद्धि करना था।

### ■ प्रमुख व्यक्ति:

- इसका नेतृत्व एजावा नेता टी.के. माधवन, के.पी. केशव मेनन और के. केलपपन जैसे दूरदर्शी नेताओं ने किया था।
- पेरियार अथवा थंथई पेरियार के नाम से सम्मानित इरोड वेंकटप्पा रामासामी ने स्वयंसेवकों को संगठित कर भाषण के माध्यम से उनका उत्साहवर्धन किया, उन्हें कारावास की सजा दी गई। उन्होंने 'वैकोम वीरर' की उपाधि धारण की।
- मार्च 1925 में महात्मा गांधी वैकोम पहुँचे और वभिन्न जातिसमूहों के नेताओं के साथ वचिर-वमिरश कर इस आंदोलन को गतप्रदान की।

### ■ रणनीतियाँ और पहल:

- प्रारंभ में सत्याग्रह का लक्ष्य वैकोम मंदिर के आस-पास की सड़कों तक सभी जातियों के लोगों के लिये पहुँच सुनिश्चित करने पर केंद्रित था।
- आंदोलन के नेताओं ने गांधीवादी सिद्धांतों से प्रेरित होकर रणनीतिक रूप से अहसिक तरीकों के माध्यम से वरिध प्रदर्शन किया।

### ■ परिणाम:

- वैकोम सत्याग्रह के परिणामस्वरूप महत्त्वपूर्ण सुधार हुए जसिमें प्रमुख सुधार मंदिर के आस-पास की चार सड़कों में से तीन सड़कों तक सभी जातियों के लोगों की पहुँच सुगम करना था।

### ■ परिणाम और प्रासंगिकता:

- नवंबर 1936 में, त्रावणकोर के महाराजा ने ऐतिहासिक मंदिर प्रवेश उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किये जसिने त्रावणकोर के मंदिरों में हाशिये की जातियों के प्रवेश पर सदियों पुराने प्रतबंध को हटा दिया।
- वैकोम सत्याग्रह ने दृष्टिकोणों में वधितन उत्पन्न कर दिया, कुछ लोगों ने इसे हट्टी सुधारवादी आंदोलन के रूप में देखा, जबकि कुछ ने इसे जाति-आधारित अत्याचारों के वरिद्ध लड़ाई के रूप में देखा।
- आंदोलन के महत्त्व के लिये वैकोम सत्याग्रह मेमोरियल संग्रहालय और पेरियार मेमोरियल सहित स्मारक स्थापित किये गए थे।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

????????????

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा एक चंपारण सत्याग्रह का अति महत्त्वपूर्ण पहलू है?

- (a) राष्ट्रीय आंदोलन में अखलि भारतीय स्तर पर अधविकृताओं, वदियार्थियों और महिलाओं की सक्रियि
- (b) राष्ट्रीय आंदोलन में भारत के दलति और आदवासी समुदायों की सक्रियि भागीदारी
- (c) भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में कसिन असंतोष का सम्मलिति
- (d) रोपण फसलों तथा वाणजियिक फसलों की खेती में भारी गरिवट

उत्तर: (c)

प्रश्न 2. रॉलेट सत्याग्रह के संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? (2015)

1. रॉलेट अधनियिम 'सेडशिन कमेटी' की सफिरशि पर आधारति था
2. रॉलेट सत्याग्रह में गांधीजी ने होम रूल लीग का उपयोग करने का प्रयास किया।
3. साइमन कमीशन के आगमन के वरिद्ध हुए प्रदर्शन रॉलेट सत्याग्रह के साथ-साथ हुए।

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. 1920 के दशक से राष्ट्रीय आंदोलन ने कई वैचारिक धाराओं को ग्रहण किया और अपना सामाजिक आधार का बढ़ाया। विविधता कीजिये। (2020)

## SKOCH ESG पुरस्कार 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

REC लिमिटेड ने 'नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण' के लिये SKOCH ESG पुरस्कार- 2024 जीता।

- REC (पूर्व में ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड) विद्युत मंत्रालय के तहत एक 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, जो RBI के साथ एक गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (NBFC) और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग कंपनी (IFC) के रूप में पंजीकृत है।
  - REC विद्युत और गैर-विद्युत बुनियादी ढांचे दोनों को वित्त पोषित करता है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन तथा हरित प्रौद्योगिकियों सहित क्षेत्रों के साथ-साथ उत्पादन से लेकर परिवहन व संचार परियोजनाओं तक की एक वसिस्त शृंखला शामिल है।
- SKOCH ESG पुरस्कार पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG) प्रथाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संगठनों को मान्यता देते हैं।
  - यह पुरस्कार और मूल्यांकन एक स्थायी व्यावसायिक भवष्य के लिये स्थायी निवेश एवं प्रक्रियाओं के बीच संबंध पर बल देकर इंडिया 2047 के प्रति संगठनों के समर्पण का आकलन करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण बेंचमार्क है।
    - SKOCH ग्रुप वर्ष 1997 में स्थापित एक प्रमुख भारतीय थकी टैंक है, जो फॉर्च्यून 500 कंपनियों से लेकर समुदाय-आधारित संगठनों तक की एक वसिस्त शृंखला के साथ जुड़कर सामाजिक-आर्थिक मुद्दों में विशेषज्ञता रखता है।

और पढ़ें: SKOCH पुरस्कार, सशस्त्र बल कल्याण के लिये REC लिमिटेड की प्रतिबद्धता

## रक्षा नरियात में रिकॉर्ड स्तर की वृद्धि

स्रोत: पी.आई.बी.

वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा नरियात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपए (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुँच गया जो वित्त वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में पछिले 10 वर्षों में रक्षा नरियात 31 गुना बढ़ा है।

- प्रमुख आँकड़े:
  - वर्ष 2004-05 से वर्ष 2013-14 और वर्ष 2014-15 से वर्ष 2023-24 तक दशकों की तुलना करने पर रक्षा नरियात में 21 गुना वृद्धि दर्ज की गई।
  - इसमें नजी क्षेत्र का योगदान लगभग 60% रहा जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (Defence Public Sector Undertakings- DPSU) ने लगभग 40% योगदान दिया।
  - वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा नरियातकों को जारी किये गए नरियात प्राधिकरणों की संख्या में भी वृद्धि हुई।
- प्रमुख कारक:
  - भारतीय रक्षा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण वृद्धि का श्रेय नीतगत सुधारों, व्यापार की सुगमता पहल और व्यापक डिजिटल समाधानों को दिया जाता है जो भारतीय रक्षा उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों की वैश्विक स्वीकृति को दर्शाते हैं।

और पढ़ें... भारत का रक्षा नरियात



## वकिर्म-1 स्टेज-2 का सफल परीक्षण

[स्रोत: द हिंदू](#)

स्काईरूट एयरोस्पेस, एक अग्रणी भारतीय अंतरिक्ष-तकनीकी कंपनी द्वारा [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन \(ISRO\)](#) के प्रणोदन में वकिर्म-1 अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान के स्टेज-2 के सफल परीक्षण फायरिंग के साथ एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की जैसी कलाम-250 के नाम से भी जाना जाता है, जिसको श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश में परीक्षण किया गया।

- चरण-2 प्रक्षेपण यान को वायुमंडलीय चरण से बाह्य अंतरिक्ष के गहरे निर्वात में स्थानांतरित करने, इसे सटीकता एवं दक्षता के साथ अपनोंतव्य की ओर ले जाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- कलाम-250 टोस ईंधन के साथ एक उच्च शक्ति वाले कार्बन मशीरति रॉकेट मोटर के साथ ही एक उच्च प्रदर्शन वाले एथलीन-प्रोपलीन-डायन टेरपोलमिर (EPDM) थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम (TPS) का उपयोग करता है। इसमें सटीक थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण के लिये कार्बन एब्लेटिव फ्लेक्स नोजल की भी सुवधि है।
- नवंबर 2022 में वकिर्म-S के सबऑर्बिटल अंतरिक्ष प्रक्षेपण के पश्चात् वकिर्म-1 भारत का पहला नज्जी कक्षीय रॉकेट प्रक्षेपण है। यह अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के साथ-साथ अन्वेषण में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शति करता है।

और पढ़ें... [भारत का पहला नज्जी प्रक्षेपण यान](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/02-04-2024/print>

